कोन लड़ेगा अमरीका के साथ ?

इस कारन कि उस ने अल्लाह और उसके रसूल का अपमान किया है

स्मनित शेख हारिस बिन घाज़ी
अल्लाह उनको सुरक्षित रखे



||कोन लड़ेगा अमरीका के साथ ?||

|| इस कारन कि उस ने अल्लाह ओर उसके रसूल का अपमान किया हे ||

स्म्मनित शेख हारिस बिन घाज़ी - अल्लाह उनको सुरख्शित रखे -

अल-मलाहिम रिलीज़ का हिन्दी अनुवाद कोन लड़ेगा अमरीका से ? क्योंकी इस ने अल्लाह ओर उसके रसूल का अपमान किया हे शेख हारिस अन-नज़ारी हिफ्फ्ज़हुल्लाह शिबकत अनसारुल मुजाहिदीन अल्लाह के नाम से शुरू जो बहुत परोपकारी बहुत दयालु हे हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलेही वसल्ल्म, अब्दुल्लाह के बेटे, सारे निर्माण { इंसान और जिन } की तरफ, अल्लाह सर्वशक्तिमान के नबी हें , तो हज़्रत मुहम्मद सल्लल्लाहु-अलेहि-वसल्ल्म को सारी मानवता की तर्फ भेजा गया हे { कहो : ऐ लोगो, निश्चित रूप से मैं तुम सब की तर्फ अल्लाह का नबी हूँ, उसकी तर्फ से जिसका राज्य आसमानों ओर पृथ्वी में हे ; उसके सिवा कोई ईश्वर नहीं हे ; वह जीवन देता हे ओर मारता हे ; इसलिए अल्लाह ओर उसके रसूल पर ईमान लाओ , वह निरक्षर रसूल जो अल्लाह ओर उसके शब्दों पर ईमान लाता हे , ओर उसकी पेरवी करो ताकि तुम हिदायत पाओ } १५८ सूरह अल-अ:राफ ! इमाम मुसलिम ने जाबिर बिन अब्दुल्लाह रधी-अल्लाहु-अनहु से रिवायत किया : उनहुं ने कहा : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु-अलेहि-वसल्ल्म ने फरमाया : “ हर नबी को अपने ही राष्ट्र की तर्फ भेजा जाता था परंतु मुझे सारी मानवता की तर्फ भेजा गया हे ” ! इसलिए हर धर्म ओर विश्वास के आदमी को मुहम्मद सल्लल्लाहु-अलेहि-वसल्ल्म पर ईमान लाना होगा , ओर जो

कोई हिदायत को अस्वीकार करेगा ओर सत्य से दूर रहेगा उसका स्थान न्र्ग में होगा ! अहले किताब यहूदियूं ओर न्स्राण्यों को पहले इस से संबोदित किया गया ! रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु-अलेही-वसल्ल्म ने फरमाया : उसकी कसम जिसके हाथ मेँ मुहम्मद की आत्मा हे , इस उम्मत , यहूदी या नसराणी मेँ कोई एसा नहीं जो मेरे बारे मेँ सुने फिर उस पर ईमान लाये बगेर मरे जिसके साथ मुझे भेजा गया हे , पर यह कि वह नर्ग के लोगों मेँ से हो । मुस्लिम ने बयान किया । तो यहूदियों ओर न्स्राण्यों को आज्ञा दी गई कि वे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु-अलेही-वसल्ल्म कि पेरवी करें { वे जो नबी , निरक्षर नबी , की पेरवी करेंगे , जिसे अपने पास लिखा हुआ पाएंगे तवरात ओर इंजील मेँ , जो उन्हें अच्छाई का आदेश देते हें ओर बुराई से रोकते हें , ओर उनके लिए पवित्र चीज़ें हलाल करते हें ओर अपवित्र चीज़ें हराम करते हें , ओर उनसे भोज ओर भेड़ियाँ हटाते हें , जो उन पर थे ! } सूरह अल-अ'राफ १५७ ! सब रसूलूँ अलेहिमुस-सलाम ने आखिरी रसूल मुहम्मद सल्लल्लाहु-अलेही-वसल्ल्म की खबर दी थी ओर अपने अनुयायियों को उनकी पेरवी की सिफारिश की थी ओर उनके साथ इस्लाम मेँ प्रवेश करने की { परंतु ज़्यादह लोग अच्छाई से सहमति नहीं करते बलकि इनकार करते हें } ८९ सूरह अल-इसरा ! मुहम्मद सल्लल्लाहु-अलेहि-वसल्ल्म ने माननीय एकल-उदारता , एकेश्वरवाद , न्याय ओर दया लाई , परंतु बुराई करने वाले सहमति नहीं करते ओर गुमराही , अन्याय , उत्पीड़न , आक्रमण तथा अज्ञान चुंते हें ! अरबी कविता : वह आये जेबी अज्ञानता , गुमराही , कुफ्र तथा पत्थर की पूजा थी ! परंतु उस ने इस्लाम धर्म लाया सूरह अल-फातिहा के साथ , पाँच निमाजू मेँ पड़ा जाता हे ! उसने अन्यायी अनेक-ईश्वरवाद को न्याय से बदला ओर भय को सुरख्शा से ! उसने उन्हें उपदेश देकर पुकारा परंतु वे अंधे ओर बहरे थे , पश्चात उसने मारा ओर काटा ! उसने अपना स्तारूद जारी किया मर्त्यकों पर , ओर जो पकड़े गए उन से तावान लिया गया या छोड़े गए ! उस ने नफरत करने वालूं को किलों से निकाला ओर उन मेँ से किसी को प्रथ्वी पर नहीं

छोड़ा ! उस ने चमकती तल्वार ओर लंबा भाला लिए ! उसने उन पर सवेरे चड़ाई की , सरपट घोड़ों पर जा कर । अगर तुम अरबों ओर गेर-अरबों को तोलो गे उसके मुक़ाबले मेँ , मेँ उसके लिए बलिदान किया जाऊँ , वे उसकी बराबरी नहीं कर सकते हें ।

नबी का अपमान करना अक्षम्य अपराध हे , वार्ता लाभकारी नहीं हे , ओर क्षमायाचना अस्वीकार्य है , { ओर अगर तुम उनसे पूछोगे , तो निश्चित रूप से कहेंगे : हम तो आलस्य मेँ प्रवचन कर रहे थे ओर खेल रहे थे । कहो : क्या तुम अल्लाह , ओर उसके संचारों , ओर उसके रसूल का मज़ाक उड़ा रहे थे ? -६५- बहाने मत बनाओ...} सूरह अत-तोबह । रिसालत की माननीय हैसियत के ह्रास को सिर्फ खूंरेज़ी से रोका जा सकता हे । जब अभिशप्त यहूदी {कअब बिन अल-अशरफ} ने माननीय हेसियत का अपमान करना चाहा , तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु-अलेहि-वसल्ल्म ने मुसलमानों को पुकारा "कोन कअब बिन अल-अशरफ के लिए हे , उस ने अल्लाह ओर उसके रसूल का अपमान किया हे" । ओर आज कोन हे अमरीका के लिए , उसने अल्लाह ओर उसके रसूल का अपमान किया हे । भाषण , विवरण , बहिष्कार , प्र्धर्शन , माफी की मांग ओर कानून बनाने से रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु-अलेहि-वसल्ल्म की मदद न हो सकी , बलकि इस तरह कुफ़्फ़ार की हेकड़ी ओर अत्याचार बड़ गये । प्रभावी समाधान वही हे जों रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु-अलेहि-वसल्ल्म ने कअब बिन अल-अशरफ से शुरू किया । अरबी कविता : स्याही को छोड़ो ओर लाल रक्त से लिखो, अपने मुंह बंद करो ओर दूसरे मुंह से बोलो । तोपों के मुंह से शत्रु की सीनों मेँ , क्यूंकि इस मेँ वाग्मिता हे पराज्य को स्वीकार कराने की । आज कोई भाषण नहीं हें ओर न ही पत्र , बलकि ज़बानों को काटना ओर गरदनों को उड़ाना । बोलना हे सिर्फ तल्वारों का । अरबी कविता : बोलने की ज़ुबान साथ नहीं दे सकती हाथों के बोलने का , हम उत्सुक हें ज़ुबानों को खामोश कराने को वाक्पटु हाथों से । कितने अच्छे हें लीबिया के मुसलमान , कि उनहों ने अमरीका के वायुदूत को मार डाला ? उनहों ने बहुत अच्छी परंपरा बनाई । वे ओर दूसरे जो ऐसा करें पुरस्कृत हुंगे फैसले के दिन । ओ ! कितने सफल चहरे ओर धन्य हाथ हें

तुम्हारे ! अरबी कविता : उनहों ने कहा कि तुम ने आक्रमण किया जबकि अल्लाह के दूत किसी आत्मा को मारने या रक्तपात के लिए नहीं भेजे गए थे। अज्ञान , सपनों कि गुमराही ओर भ्रम , तुम तलवार से विजयी हुए कलम से विजयी होने के बाद । जब हर महान पुरुष आया क्षमा के लिए , तो तलवार ने अज्ञानी ओर गुमराह को क़ब्ज़े में लिया । कहाँ हे वह जो रसूलुल्लाह से प्यार करते हैं ? कहाँ हे वह जो उनके लिए पेंसे ओर जीव का त्याग करते हैं ? कहाँ हैं वह जो अल्लाह के लिए सच्चे हैं ? अमरीका के संरक्षक कहते हैं : { में दूंगा अपना गला } दूतावास के “गले” से पहले ! तो कहाँ हैं मूमिन जो कहते हैं : { में दूंगा अपना गला } आपके गले से पहले ए अल्लाह के रसूल !

में अल्लाह कि शपथ लेता हूँ , अल्लाह पराजित करेगा रसूल के दुश्मनों को , ओर रसूल के दुश्मनों के एजेंटों को , ओर अल्लाह रसूल की सहायता करेगा हमारे धारा , हम मूमिनों के धारा । यह अल्लाह का वादा हे अपने रसूल को : { फिर निश्चित रूप से अल्लाह आपके लिए पर्याप्त हे ; वह हे जिस ने आपको मज़बूत बनाया अपनी सहायता से ओर मूमिनों से } ६२ , सूरह अनफाल । हम वे स्पूत हैं , जिन्हों ने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु-अलेहि-वसल्ल्म पर निष्ठा ली , अकबा के दिन , उसकी सहायता के लिए , ओर वे उसकी सुरख्शा करते हैं जिस से वे अपनी महिलाओं की , अपनी ओर अपने बच्चों की सुरख्शा करते हैं । हम अभी भी अपने पूर्वजों की शपथ के लिए प्रतिबद्ध हैं ओर हम अपनी निष्ठा को पूरा कर के रहेंगे । हम कहते हैं जो हमारे पूर्वजों ने कहा : “ क्या ही सफल सौदा हे ; न आप को पीछे हटने को कहेंगे ओर न हम पीछे हटेंगे । अरबी कविता : हम यमनी , ए ताहा ! हम उच्च टीलों की तरफ उड़ते हैं , अनसार कि आत्माओं के साथ । अगर तुम्हें अम्मार ओर उसका सिद्धांत याद हो , तो हम पर गर्व करो हम अम्मार की संतान हैं । मुसलमान , सभी मुसलमान , बलिदान देते हैं रसूलुल्लाह केलिए पेसे ओर जीव , उनके लिए अपने प्यार ओर अनंत काल में उन से मिलने कि उत्सुक्ता के साथ । ओह ! केसे हम इच्छा करते हैं रसूलुल्लाह की । आज हम प्यारों से मिलेंगे मुहम्मद ओर उनके साथी । { ओर जो कोई अल्लाह ओर उसके रसूल का पालन करेगा, ये उनके साथ हैं जिन पर अल्लाह ने अपने एहसान किए , नबियों में से ओर

सच्चों में से , ओर शहीदों में से , ओर अच्छों में से , ओर अच्छी साहचर्य हें वे - ६९- यह अल्लाह कि ओर से अनुग्रह हे , ओर पर्याप्त हे अल्लाह जानने वाला -७०- ए मूमिनो ! एहतियात करो , फिर टुकड़ियों में जाओ या यकजुट हो कर जाओ - ७१- ओर निशचित रूप से , तुम में वह हे जो ज़रूर पीछे रहेगा ! अगर फिर कोई दुर्भाग्य तुम पर बीते , वह कहता हे : निशचित रूप से अल्लाह ने मुझे लाभ प्रदान किया कि में उनके साथ नहीं था -७२- ओर अगर अल्लाह का अनुग्रह तुमको मिलता हे , वह ज़रूर रोएगा , जैसे तुम्हारे ओर उसके बीच कभी दोस्ती नहीं थी : काश में उनके साथ होता , तो मुझे बड़ा सवभाग्य मिला होता -७३- इसलिए लड़ें अल्लाह के मार्ग में वे जो इस दुनिया के जीवन को बेचते हें आखिरत के बदले ; ओर जो कोई अल्लाह के मार्ग में लड़ेगा , फिर मारा जाए या विजयी हो , हम उसे बड़ा इनाम देंगे -७४- } सूरह अन-निसा { ओर अल्लाह मालिक हे अपने मामले का , मगर अक्सर लोग नहीं जानते } २१ , सूरह यूसुफ़ । द्वारा प्रकाशित : अल-मलाहिम मीडिया ज़ुल-कअदह १४३३ हिजरी – स्तम्बर २०१२ हमें अपनी प्रार्थना में न भूलिए आपके भाई : अन्सारुल मुजाहिदीन अंग्रेज़ी फोरम

हमें अपनी प्रार्थनाओं में ना भूलें

दीन-अल-हक्क



वॉइस आफ खुरासान

“खुरासान के मुसल्मान विश्व जिहाद को जानें ओर विश्व के मुसल्मान खुरासान के जिहाद को जानें”